केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निरीक्षकों की विभागीय परीक्षा
DEPARTMENTAL EXAMINATION OF INSPECTORS OF CENTRAL EXCISE

प्रश्न पत्र – पंचम
PAPER - V
हिन्दी **(Hindi)**

दिनांकः20.06.2013 **(DATE:20.06.2013)** पूर्णांक : 75 **(MAXIMUM MARKS : 75)**
समयः10.00 पू0 से 12.00 दोपहर **(TIME:10.00 A.M. to 12.00 Noon)** उत्तीर्णांक : 37 **(PASS MARKS : 37)**

प्रश्न 1. (अ) अधोलिखित पैरा का हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद कीजिये। (10)

हमारे आस–पास कई ऐसे लोग मिल जायेगें, जो कर्म से अधिक भाग्य पर भरोसा करते है। इन्हें जब भी कर्म करने को कहा जाता है, वे प्रभु की मर्जी कहकर उसे टाल देते है। सकडाल का पुत्र भी ऐसा ही था जो कर्म से अधिक भाग्य पर विश्वास करता था। समय–समय पर समझने के बावजूद वह भाग्यवादी ही बना रहा। एक दिन भगवान महावीर उनके अतिथि बनें। भगवान महावीर ने भी उसे उदाहरण देकर समझाया कि जब तुम्हारे ऊपर कोई हमला करता है तो क्या तुम रक्षा नहीं करोगे और भाग्य भरोसे बैठे रहोगे कि जो भगवान की मर्जी। तब सकडाल के पुत्र को कर्म की महत्ता समझ आयी और वह कर्मठ बन गया।

(ब) अधोलिखित पैरा का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए :– (10)

This is the first time in humanity's history that we have to talk about protecting the planet which has nourished thousands of generations. None of them ever thought a day would come when we have to take care of the planet. Right now we are looking at ecological concerns as an obligation to fulfill. Somewhere we believe only we are life and everything else is not life. This is happening because the whole experience of life is limited to the physical sensation of life. If you are spiritually aware, this you would know that everything is life. Then we ourselves would protect the ecology and no one would have to tell.

प्रश्न 2. नीचे दिये गये गद्यांश को पढ़ें व नीचे दिये गये प्रश्नों का उत्तर दीजिये। (15)

सही समय पर सही चुनाव न करने वाला व्यक्ति जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बुरी तरह असफल होता है। जीवन का सही कलाकार वह है जो अपने हर काम में सावधानीपूर्वक चुनाव करता है। चुनाव में सावधानी न बरतने वाला और बिना सोचे समझे चुनाव करने वाला व्यक्ति लाख प्रयत्न करने पर भी अपने जीवन को सफल और उचित मोड़ नहीं दे पाता। जो व्यक्ति अपने खाने–पीने, खेलने–कूदने, पढ़ने–लिखने और मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम का चुनाव करते समय सावधानी नहीं बरतता,

उसकी दशा उस पेटू जैसी हो जाती है जो अनाप–शनाप जो भी सामने आता है, खाए जाता है अपना स्वास्थ्य चौपट कर बैठता है। होना यह चाहिए कि हम यह सोच समझकर तय करें कि किस समय कौन सा कार्य करना है। हमें किन लोगों को मित्र बनाना है और किनसे दूरी बनाए रखना है।

उपयुक्त गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

1. गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक चुनिए।
2. कैसे लोगों को सफलता नहीं प्राप्त होती?
3. ठीक चुनाव न करने वालों की तुलना किससे की गयी है?
4. सफलता किस व्यक्ति के कदम चूमती है?
5. इससे क्या शिक्षा मिलती है?

प्रश्न 3.(अ) निम्नलिखित वाक्यें को सही करें एवं यथा आवश्यक पूरा करें :– **(10)**

1. कक्षा में बच्चे पढ़ नहीं रहा है।
2. भगवान दुर्गा की पूजा चल रही है।
3. पेड़ों पर पक्षी बैठा है।
4. क्या तुम भोजन किया है।
5. मुझे जीवन भर तक आजीवन तुम्हारे साथ रहना है।

(ब) निम्नलिखित को हिन्दी में अनुवाद करो :– **(10)**

1. Classification **2.** Discipline **3.** Market Value
4. Contemplated **5.** Attendance

प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये :– **(10)**

1. राजभाषा अधिनियम की धारा 3 किस वर्ष से लागू हुई ?
2. राजभाषा अधिनियम की कौन सी धाराएं जम्मू कश्मीर में लागू नहीं होती ?
3. राजभाषा समिति का मुख्यालय कहाँ है ?
4. राजभाषा समिति का मुख्य उद्देश्य क्या है ?
5. राजभाषा अधिनियम किस मंत्रालय के अन्तर्गत कार्यरत है ?

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये :– **(10)**

1. हिन्दी राजभाषा में प्रबोध, प्रवीण, प्रज्ञा आदि का क्या अर्थ है ?
2. मंत्र–राजभाषा क्या है ?
3. कर्यालय सहायिका क्या है ?
4. कार्यालय सहायिका का संकलन और प्रकाशन किसने किया है ?
5. क्या राजभाषा विभाग पर सूचना अधिकार अधिनियम लागू है ?

*****